जय काली जय काली जय काली माँ

जय,,, जय जय माँ, जय,,, जय जय माँ ॥
जय काली,,, कलकत्ते वाली,,,
तूँ ही माँ दुर्गा,,, तूँ महाँकाली,,, ।
(जय काली, जय काली, जय काली माँ x॥ -॥)
*तूँ ही दुर्गा,,, तूँ ही अम्बे,,, ॥,
तूँ ही झंडेवाली माँ,,,
जय काली, जय काली, जय काली माँ x॥

काल कालिका, रूप तुम्हारा, मुंडन की गले माला है ॥
माँ मुसकाए, नागिन जैसी, बरसे नैनो से ज्वाला है ।
*चंचल चप्पला, सी चम चम चम ॥,चमके भुजा में भुजाली माँ,
जय काली, जय काली, जय काली माँ x॥

रण में बनकर, रण चंडी माँ, दुष्टों को ललकार रही ॥
लाल लहू से, लसी हुई, लट लट काली फटकार रही ।
*लप लप चिप्या, लपकाए माँ ॥, पिए लहू की प्याली माँ,
जय काली, जय काली, जय काली माँ x॥

शुम्भ निशुम्भ को, मारा तूने, हाथ करोड़ों फैला के ॥
माँ काली के, क्रोध से सारे, राक्षस भागे थर्रा के ।
*महिषासुर को, मारने वाली ॥, तूँ अम्बे बलशाली माँ,
जय काली, जय काली, जय काली माँ x॥

जब जब आई, क्रोध में माँ तूँ, शिव ने भार सँभाला है ॥
लेट गए, चरणों में शँकर, देख के रूप विशाला है ।
*जिहभा निकल, आई मईया की ॥, शांत हुई तूँ काली माँ,
जय काली, जय काली, जय काली माँ x॥
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21424/title/jai-kali-jai-kali-jai-kali-maa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |